हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 8 जून 2025

11 सागरपुर में तेज आंधी में टूटी कृषि लाइन,...

12 जोरासी की राजनीतिः दोनों पक्षों के आरोप प्रत्यारोप...

SURAJ DEGREE COLLEGE
Mahendergarh
Affiliated to IGU, MEERPUR -REWARI
web : www.surajeducation.com

Heartiest Congratulations

Fabulous University **Results**

सर्वाधिक मेरिट Toppers TOP-10 MERIT LIST

PRIDE OF SURAJ

!! पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान

1st B.Sc MED 2nd Sem

UMANG
D/o Mr. Vijay Singh, Kanheti

1st B.Com 3rd Sem

JUHI
D/o Mr. Chanderprakash, Jhagroli

1st B.C.A. 1st Sem

PARV
S/o Mr. Mukesh, Narnaul

1st M.A. ENG 1st Sem

MONIKA
D/o Mr. Naresh Kumar, Satnali

1st B.A 5th Sem

TANNU
D/o Mr. Mukesh, Mahendergarh

1st BCA 3rd Sem

MUSKAN
D/o Mr. Ajit Singh, Luhana

University Rank 2

VAIBHAVI
D/o Mr. Rajesh Bhiwani
M.A. ENG - 1st Sem

University Rank 2

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
M.Sc Che 1st Sem

University Rank 2

MANISHA
D/o Mr. Surender Singh Kotia
B.Sc H Phy 4th Sem

University Rank 2

UJALA
D/o Mr. Kuldeep Singh Nangal Harnath
B.A. 5th Sem

University Rank 2

POOJA
D/o Mr. Vikram Kumar Ramalwas
B.B.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Sujan Singh Deroli Jat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand Khatiwas
B.A. 6th Sem

University Rank 3

NISHANT
S/o Mr. Jai Ram Sharma Maroli
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 3

PRIYANSHI
D/o Mr. Ashok Kumar Rewari
M.A. ENG 4th Sem

University Rank 3

ISHA
D/o Mr. Satish Mahendergarh
B.Sc. Life Sciences 1st Sem

University Rank 3

SABNAM
D/o Mr. Mobin Khan Dongra Ahir
M.Sc Phy. 1st Sem

University Rank 3

LAXMI
D/o Mr. Santosh Kumar Kanina
M.Sc. PHY 3rd Sem

University Rank 3

ANGITA
D/o Mr. Arjun Garg Siha
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 3

SNEHA
D/o Mr. Rajesh Kumar Mahendergarh
B.Com. 5th Sem

University Rank 4

PUNAM
D/o Mr. Ashok Kumar Kapoori
B.Com 6th Sem

University Rank 4

MS DEEPIKA
D/o Mr. Kirori Lal Gheeloth
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 4

SNEH
D/o Mr. Mahipal Rasulpur
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 4

PARVEEN
S/o Mr. Devender Kumar Bawania
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 4

JYOTI
D/o Mr. Gillu Ram Dewas
M.A. Eng 1st Sem

University Rank 4

SAKSHI
D/o Mr. Bhupender Singh Charkhi Dadri
M.Sc. Geo 1st Sem

University Rank 4

SARITA
D/o Mr. Rohtash Ratta Kalan
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 5

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Chhithroli
B.Com. 1st Sem

University Rank 5

TAMANNA
D/o Mr. Devender Singh Dhawana
B.A. 1st Sem

University Rank 5

PAYAL
D/o Mr. Anil Kumar Adalpur
B.Sc Life Sciences 1st Sem

University Rank 5

NITESH
S/o Mr. Surender Singh Nahar
M.Sc. Phy 4th Sem

University Rank 5

VANSHIKA
D/o Mr. Suresh Kumar Dalanwas
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 5

BHATERI
D/o Mr. Karmbir Nayagaon
M.Sc Phy 3rd Sem

University Rank 6

SAPNA
D/o Mr. Mahipal Yadav Mandlana
M.A. ENG. 1st Sem

University Rank 6

SONIKA
D/o Mr. Satvir Bhagwi
B.Sc. H Phy 6th Sem

University Rank 6

SHIVANI
D/o Mr. Kuldeep Soni Mahendergarh
B.B.A. 2nd Sem

University Rank 6

KOMAL
D/o Mr. Shiv Kumar Nangal Mundi
M.Sc. Geo 4th Sem

University Rank 6

KARISHMA
D/o Mr. Ajit Singh Sihma
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 6

EKTA
D/o Mr. Ramesh Kumar Mundia Khera
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
B.Sc. NM 6th Sem

University Rank 7

MUSKAN
D/o Mr. Narender Dhawana
M.Sc. Phy 1st Sem

University Rank 7

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Khairana
B.Sc H Che 6th Sem

University Rank 7

SONIYA
D/o Mr. Satyanarayan Majra Khurd
M.Sc. Che 4th Sem

University Rank 7

NEHA
D/o Mr. Chetan Prakash Mahendergarh
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 7

BHAWANA
D/o Mr. Chhavi Prakash Nimbi
B.B.A 2nd Sem

University Rank 7

RIYA
D/o Mr. Narendra Kumar Shoramnathpura
B.C.A. 5th Sem

University Rank 7

GAGAN
D/o Mr. Anoop Kumar Bhurjat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 7

KARUNA
D/o Mr. Anand Jhagroli
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

MONIKA
D/o Mr. Jagram Kherki
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 7

HIMESH
S/o Mr. Virender Luhana
B.Sc. Physical Science 1st Sem

University Rank 8

SONAL YADAV
D/o Mr. Anil Kumar Gadania
B.Sc H Phy 6th Sem

University Rank 8

NARVEER
S/o Mr. Jai Parkash Bawana
M.A. ENG 2nd Sem

University Rank 8

SAKSHI
D/o Mr. Shri Bhagwan Bucholi
B.Sc. Med 6th Sem

University Rank 8

ANJU
D/o Mr. Dinesh Dhana
B.Com 6th Sem

University Rank 8

NIKITA
D/o Mr. Nathu Ram Bharaf
B.A .6th Sem

University Rank 8

SONAM
D/o Mr. Mahesh Jhagroli
B.Sc. Med 4th Sem

University Rank 8

ANURADHA
D/o Mr. Narender Bhojawas
M.Sc Che 3rd Sem

University Rank 8

DEEPIKA
D/o Mr. Sanjay Kumar Mudain
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 8

MANISHA
D/o Mr. Krishan Kumar Bihali
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 8

MONIKA
D/o Mr. Bijender Sharma Bassai
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 9

REENA
D/o Mr. Amit Kumar Dahina
B.A. 4th Sem

University Rank 9

NIKITA
D/o Mr. Lalit Narain Jasawas
B.Sc. Medical 5th Sem

University Rank 10

VIDHI YADAV
D/o Mr. Sanjay Kumar Dhawana
B.Com 1st Sem

University Rank 10

SUBODH
D/o Mr. Chand Singh Kanina
M.A. ENG 1st Sem

University Rank 10

SHIWANI
D/o Mr. Randhir Singh Adalpur
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 10

MANISHA
D/o Mr. Sanjay Kumar Siha
B.C.A. 3rd Sem

I.G. University **Gold** Medalist B.A.

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand, Khatiwas

I.G. University **Gold** Medalist B.Sc Non Medical

NEHA
D/o Mr. Hawa Singh, Bairawas

I.G. University **Gold** Medalist M.Sc Physics

SAPNA
D/o Mr. Ajay Singh, Partal

Admission Open
Apply Now !!

Courses Offered : -

M.Sc. PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS, GEOGRAPHY

M.A. ENGLISH

B.A.

B.Sc. LIFE SCIENCE (Medical), PHYSICAL SCIENCE (Non Medical)

B.Sc. HONOURS PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS

B.B.A. **B.C.A.** **B.Com.** **B.Ed.**

Call | 9991530053, 8607555793

Online Form
Filling Facility is available at College Campus

Sunday Open

Special Scholarship for MERITORIOUS STUDENTS

Transport
Facility Available up to 60 Kms radius of Campus

A.C. Hostel
Facility Available for Girls

प्रकाशमय कल के लिए

खबर संक्षेप

सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें पंचायतः अनिल

महेंद्रगढ़। एसडीएम अनिल कुमार यादव ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में महेंद्रगढ़ खंड के सरपंचों व ग्राम सचिव की बैठक लेकर सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम अनिल कुमार ने कहा कि बरसात के मौसम से पहले सभी गांवों में नालों की सफाई करवाई जाए ताकि बरसाती पानी की निकासी में किसी प्रकार की बाधा ना हो। इसके अलावा गांव में सफाई कर्मियों या मनरेगा के माध्यम से समय-समय पर सफाई करवाई जाए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरणीय परिचर्चा

महेंद्रगढ़। सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर इंदिरा गांधी विवि मीरपुर रेवाड़ी में आयोजित पर्यावरणीय परिचर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं कुलपति भी उपस्थित रहे। डॉ. जितेंद्र ने अपने संबोधन में आरपीएस कॉलेज द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की जानकारी दी, जिसमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और ड्रिम नाम परियोजना से दोहन नदी के पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्जीवित एवं संरक्षित करने के प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

टूटी सड़क के कारण अंकुश लगने के बजाए हादसों में इजाफा होने की बनी संभावना

लोक निर्माण विभाग ने हादसा ग्रस्त सड़क प्वाईंट पर बना दिए ब्लाइंड स्पीड ब्रेकर

- जल्दबाजी में सड़क क्रॉस करना जिंदगी से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना। स्पीड ब्रेकर के लगाएं गए संकेतक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़-कनीना स्टेट हाईवे नंबर 24 पर उन्हाणी के समीप बीती दो जून को घटित भीषण सड़क हादसे के बाद जिला प्रशासन द्वारा रोड सेफ्टि को लेकर दिए गए दिशा-निर्देश के बाद गहरी नींद में सोया लोकनिर्माण विभाग नींद से जाग गया है। हादसे में चार घरों के चिराग बुझने के बाद विभाग के अधिकारियों की नींद टूटने पर रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के लंबे समय से लीकेज पडे साइफन से खंडित सड़क को ठीक करने की बजाय लोक निर्माण के कर्मचारियों ने शुक्रवार को आनन-फानन में सडक के दोनों ओर ब्लाईंड स्पीड ब्रेकर बनवा दिए।

विभाग के अधिकारियों का मानना है कि ब्रेकर बनवाने से सड़क हादसों पर अंकुश लगेगा लेकिन अंधे स्पीड ब्रेकर तथा टूटी सड़क से और अधिक हादसों की संभावना बन गई है। बता दें कि बूचावास के समीप से गुजर रहे एनएच 152डी पकड़कर अंबाला, चंडीगढ़ व कोटपूतली, जयपुर, गुजरात जाने वाले वाहन चालक इस कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाइवे 24 को इस्तेमाल करते हैं। जिसके चलते इस सड़क मार्ग पर वाहनों का दबाव लगातार बढता जा रहा है। दिनरात सड़क पर वाहन सरपट दौड़ते रहते हैं। पदयात्रियों द्वारा जल्दबाजी में सड़क क्रॉस करना जिंदगी से खिलवाड़ करने के बराबर है। उन्हाणी के समीप सड़क खंडित होने से हादसों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। तत्काल इस रोड को फोरलेन बनाने की आवश्यकता है। अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों को कहकर थक चुके आमजन को हादसे के बाद सड़क ठीक होने तथा नहर का लीकेज साइफन ठीक होने उम्मीद थी। ध्यान रहे कि करीब तीन वर्ष पूर्व नहर का संकेतक बोर्ड व समुचित सेफ्टिवॉल न होने से झगडोली के समीप से गुजर रही जवाहर लाल नेहरू कैनाल में रात्रि के समय कार गिर गई थी जिसमें दंपति सहित तीन व्यक्तियों की

उच्च अधिकारियों के आदेश पर बेकर बनाए गए

लोक निर्माण विभाग के जेई नवल कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के आदेश पर उन्हाणी के समीप सड़क पर स्पीड बेकर बनाए गए हैं। स्पीड बेकरों पर संकेतक भी लगाए जाएगें। टूटे रोड को नहर विभाग द्वारा साइफन ठीक करने के बाद बनाया जाएगा।

दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हादसे से पूर्व नहर विभाग के अधिकारी सेफ्टिवॉल को दुरूस्त करवाने के लिए बजट का अभाव बताने में लगु हुए थे लेकिन हादसे के तुरंत बाद न केवल सेफ्टिवॉल तैयार करवाई बल्कि रंग-रोगन भी करवा दिया गया। कमोबेश ऐसे ही हालात उन्हाणी रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के लीकेज साइफन के हैं। इस प्वाईंट को दुरूस्त करने के लिए गुढा निवासी विजय कुमार की ओर से बीते दो वर्ष पूर्व सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें नहर विभाग के अधिकारियों ने करीब 109 करोड़ का एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही थी। दिलचस्प बात है कि उन्हाणी के समीप रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के लीकेज साइफन की जगह आरसीसी ब्लाक लगाए हुए थे, जिन्हें विभाग के अधिकारियों ने अगस्त 2024 में उखाड़ कर दुबारा से वही टाइल लगा दिए जो और अधिक खंडित हो गए और हादसों का गढ़ बन गए। एडवोकेट मनोज शर्मा, वीरेंद्र सिंह, मा राजेश कुमार, वेदपाल, जेपी व अनिल शर्मा ने बताया कि टूटी सड़क को ठीक करने के लिए लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी नहर विभाग के अधिकारियों पर ठीकरा फोड़ रहे तो नहर विभाग के अधिकारी लोक निर्माण विभाग पर। दोनों विभागों की कशमकश में चार युवक अकाल मौत का ग्रास गए। उन्होंने नहरी साइफन को दुरूस्त करने के साथ-साथ चौड़ा करने तथा सड़क मार्ग को भी दुरूस्त करने की मांग की है।

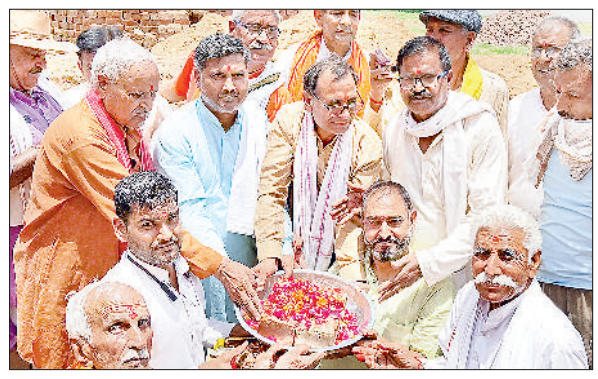

सतनाली। भगवान परशुराम मंदिर की नींव रखते सरपंच प्रतिनिधि, कमेटी प्रधान व सदस्य।

महापुरुषों के आदर्शों को करें आत्मसातः कंवर सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज सतनाली मंडी

- भगवान श्री परशुराम पार्क सतनाली में रखी मन्दिर की नींव

कस्बे के परशुराम पार्क में भगवान परशुराम मंदिर निर्माण हेतु आयोजित भूमि पूजन समारोह का आयोजन कर भगवान परशुराम मंदिर की नींप रखी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि हमें महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम को साहस, विद्वता एवं वीरता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने भगवान परशुराम सोसायटी द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना करते हुए इसमें सहयोग के लिए सर्वसमाज की प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच संचालन डिगरोता सरपंच प्रतिनिधि डा. अभिषेक शर्मा ने किया। कमेटी सदस्य एवं उपस्थित गणमान्य लोगों ने मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सतनाली सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गोठवाल को भी स्मृति चिन्ह भेंट की सम्मानित किया गया। इससे पूर्व अभिजीत मुहूर्त में शास्त्रोक्त रीति से पूजन उपरांत नींव रखी गई। इस मौके पर सोसायटी प्रधान शिवकुमार शास्त्री, पूर्व प्रधान मा. काशीराम मिश्रा, सुधीर दीवान महेंद्रगढ़, मनोज गौत्तम महेंद्रगढ़ आदि सहित सोसायटी पदाधिकारी, अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा कस्बे व क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूरज कॉलेज बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

बस स्टैंड के सामने बीच सड़क पर खड़े हो रहे ऑटो, दिन में कई बार लगता जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड के सामने बीच सड़क पर खड़े ऑटो।

ऑटो के कारण शहर के मुख्य बस अड्डे के सामने जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार तो जाम ऐसे लगता है कि दुपहिया व चार पहिया वाहन तो क्या, पैदल चलने वालों को भी गुजरना मुश्किल भरा हो जाता है। इस बारे में न तो बस अड्डा प्रशासन और न ही यातायात पुलिस इस ओर ध्यान दे रही है। जिसके कारण रोजाना राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बस स्टैंड के मुख्यद्वार पर प्राईवेट बसें सवारियों के लिए बीच सड़क पर खड़ी कर देते हुए। जिसके चलते सड़क पर जाम लग जाता हैं। बता दें कि महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से रोजाना हजारों की संख्या में यात्री आसपास के गांवों से लेकर, राजस्थान, पंजाब चंडीगढ़ और दिल्ली की तरफ सफर करते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या रेवाड़ी, जयपुर व दादरी की तरफ जाने वाले यात्रियों की होती है। इसके बाद साथ लगते प्रदेश राजस्थान की तरफ भी अच्छी खासी संख्या में यात्री सफर करते हैं। बस स्टैंड से रोडवेज की बसों के साथ-साथ निजी बसें भी गुजरतीं हैं। ऐसे में कई बार बस स्टैंड से बस बाहर निकालने के साथ उसे सवारी चढ़ाने के लिए गेट के सामने खड़ा कर देते हैं। जिससे कई बार मुख्य रोड पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इसके अलावा बस स्टैंड स्थित रोड पर जाम का दूसरा मुख्य कारण ऑटो चालक बनते हैं। ज्यादा से ज्यादा यात्रियों बैठाने के चक्कर में वे अपने ऑटो को होड़ में एक-दूसरे के आगे लगा देते हैं। जिसके कारण वहां पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। वहीं यात्रियों को आवागमन में कोई परेशानी न हो इसके लिए पुलिस द्वारा नियम बनाए गए हैं। लेकिन इन्हीं नियमों को ताक में रखकर प्राईवेट बस और ऑटो चालक इनका पालन नहीं करते। जिसके कारण यह अव्यवस्था बनती है। इसके अलावा पुलिस द्वारा समय-समय पर ऑटो को सहीं ढ़ग से खड़ा करने के निर्देश भी दिए जाते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने कहा कि बस स्टैंड के सामने बेतरतीब ढंग से आधे रोड को ऑटो चालक कब्जा किए रहते हैं।

किसान सुरक्षित अन्न भंडारण का प्रयोग कर अधिक लाभ कमाएं

- कृषि अधिकारियों ने किसानों को दी विस्तार जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तीन टीम का गठन कर विकसित कृषि संकल्प अभियान 10वें दिन भी जारी रहा। टीम दौंगड़ा अहीर, सिलारपुर, कलवाड़ी, अटाली, दुलोठ जाट, इसराना, रामबास व ढाणा गांव का दौरा किया। वरिष्ठ संयोजक डॉ. जयलाल यादव ने किसानों से कृषि कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने किसानों को सब्जी, बागवानी व फसल उत्पादन प्राकृतिक कृषि तकनीकों से करने को कहा। टीम-एक का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (पौध रोग) डॉ. नरेंद्र यादव व जिला विस्तार विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) डॉ. पूनम यादव ने बताया कि कृषि के क्षेत्र में नवीन तकनीक जैसे मूल्य संवर्धन, फल व सब्जियों का परिरक्षण तथा सुरक्षित अन्न भंडारण का प्रयोग कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। टीम-दो का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) डॉ. राजपाल यादव ने बताया कि मिट्टी के नमूने लेने के तरीके व फसलों में पोटाश तथा अन्य खादों के संतुलित प्रयोग के बारे में बताया। टीम-तीन का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डॉ. आशीष शिवरान ने किसानों को खरीफ फसलों में बिजाई से पहले खादों के प्रयोग, बिजाई का समय, किस्म, खरपतवार नियंत्रण एवं सिंचाई के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी।

श्रीकृष्णा स्कूल का प्रियांशु योग में ब्लॉक स्तर पर रहा प्रथम

महेंद्रगढ़। ब्लॉक स्तरीय योग प्रतियोगिता छह जून को नारनौल में आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न स्कूलों के योगार्थियों ने भाग लिया। कॉर्डिनेटर सुशीला यादव व स्मृति शर्मा ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा का कक्षा आठवीं का विद्यार्थी प्रियांशु पुत्र सुनील कुमार निवासी सागरपुर योग प्रतियोगिता में उम्दा प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में योग प्रशिक्षक आरती द्वारा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि योग को भारत देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में योग किया जा रहा है।

योग को भारत देश शुरूआत से ही जानता है तथा गुरुकुल परंपरा में योग को एक विशेष स्थान दिया गया था। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन की हर चुनौती से लड़ने के लिए तैयार किया जाता था। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शरीर रहता है बल्कि मन भी स्वस्थ रहता है। प्राचार्य डा. सुमेर सिंह ने कहा कि आज देश अपनी युवा शक्ति पर गौरव अनुभव करता है। विद्यार्थियों को सही दिशा व सात्विक लक्ष्य देने की आवश्यकता है। यह काम उन्हें बपचन से योग-प्राणायाम की शिक्षा देकर किया जा सकता है। योग भविष्य में अनंत संभावनाओं के द्वार खोलता है। इससे हमारी रचनात्मक शक्ति व कल्पना की वृद्धि होती है। इस मौके पर स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महेंद्रगढ़। छात्र प्रियांशु को सम्मानित करते हुए।

पेड़ बचाओ-बीमारी भगाओ रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। पेड़ बचाओ-बीमारी भगाओ रैली निकालते हुए राजकीय आइटीआई शहबाजपुर के विद्यार्थी।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शहबाजपुर में वन महोत्सव प्राचार्य छत्रपाल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ बिक्रम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को दैनिक दिनचर्या में पौधों की उपयोगिता से अवगत कराया है। इस दौरान पर्यावरण पर आधारित निबंध व भाषण प्रतियोगिता भी कराई गई है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करने मात्र से हरियाली का बढ़ना संभव नहीं। पौधापालन की विचारधारा का विकसित करके पेड़ बचाओ मुहिम चलानी अनिवार्य है। अधिकांश लोग पौधा लगाकर खानापूर्ति कर रहे हैं, सिंचाई व देखरेख के आभाव में उक्त पौधा चंद दिनों में मी जाता है। जिससे विभाग को आर्थिक नुकसान होने के साथ सरकार द्वारा निर्धारित हरियाली बढ़ाओ योजना सिरे नहीं चढ़ पाएगी। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी को जन्मदिवस तथा कक्षा प्रमोट के अवसर पर पौधरोपण करने का सुझाव दिया। 5-6 साल की देखरेख करने के बाद वहीं पौधा पेड़ में तबदील हो जाएगा। वन्य प्राणियों को भोजन मिलेगा। इसके बाद आयोजित निबंध व भाषण प्रतियोगिता में विजेताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है। विद्यार्थियों ने पेड़ बचाओ-बीमारी भगाओ रैली निकालकर ग्रामीणों को पौधरोपण व पेड़ संरक्षण के लिए प्रेरित किया है।

इस मौके पर दौंखेरा स्कूल के टीजीटी रोताश कुमार, विजय सिंह, भूपेंद्र सिंह मौजूद रहे हैं।

मंडी अटेली। मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली के खेल मैदान में योग करते हुए।

मंडी अटेली: मॉडल संस्कृति स्कूल के खेल मैदान में लगाया योग शिविर

मंडी अटेली। स्वास्थ्य विभाग की एनसीडी टीम ने डॉ. मनीष के नेतृत्व में मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली के खेल मैदान में योग शिविर लगाया। शिविर में हाइपरटेंशन और शुगर पर जागरूकता संदेश दिया। दीप प्रज्ज्वलन अभय सिंह सैदपुर, वेद गोयल व किशनलाल सैनी ने किया। 50 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। 24 लोगों ने रक्तचाप की जांच करवाई। मधुमेह की भी जांच की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सिंग अधिकारी मंजुलता, एएनएम कविता देवी, आशा वर्कर मंजू, आशा राजबाला, आशा बबीता और एमपीएचडब्ल्यू हरीश यादव ने सहयोग किया। 11 मई को सायं पांच बजे एनसीडी टीम शहर में हाइपरटेंशन और शुगर पर योग जन जागरण यात्रा निकालेगी। सभी नागरिकों को इसमें शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है।

बाबा निहालचंद सेवादल और समिति ने लगाया शिविर एवं भंडारा

एक यूनिट रक्त तीन की बचा सकता है जानः मनपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। रक्तदाताओं को बैज लगाते मुख्य अतिथि मनपाल यादव।

बाबा निहालचंद सेवादल एवं मंदिर समिति की ओर से सातवां विशाल रक्तदान शिविर एवं भंडारे का आयोजन शनिवार बाबा निहालचंद मंदिर पटीकरा में किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए सेवादल के प्रभारी संदीप राव ने बताया कि रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाज सेवी मनपाल यादव उपस्थित रहे।

विशिष्ठ अतिथि के रूप में अनिल यादव, प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ संजय शर्मा, युवा साथी ग्रुप के प्रधान टिंकू प्रधान एवं राकेश कुमार मौजूद रहे। जोशी समाज सेवा समिति जींद के विशेष योगदान तथा रक्तकोष सामान्य अस्पताल नारनौल एवं जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से लगे इस शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि मनपाल यादव ने कहा कि आपका एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है। रक्त की हमेशा जरूरत होती है। युवाओं को रक्तदान के लिए सदैव आगे रहना चाहिए। डॉ संजय शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा देने वाले देश और दुनिया भर के अस्पतालों में हर दिन, हर घंटे, हर पल रक्त का उपयोग किया जाता है इसलिए इसकी निरंतरता बनी रहनी चाहिए। टिंकू प्रधान एवं नीतीश यादव ने कहा कि रक्तदान शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य यही है कि जरूरत पड़ने पर रक्तकोष में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे।

रक्त दाताओं को हेलमेट वितरण किए

बाबा निहालचंद सेवा दल के संदीप यादव एवम यशवीर ने बताया कि शिविर का मुख्य आकर्षण जोशी समाजसेवा समिति जींद हरियाणा द्वारा प्रथम पचास रक्तदाताओं को निशुल्क हेलमेट वितरण करना रहा। रक्तदान कहीं न कही सड़क सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्त की सर्वाधिक आवश्यकता सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वालों को रहती है। इसलिए कारणों का निदान करने की मंशा से हैलमेट वितरण कर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इसके अलावा समस्त ग्रामवासियों द्वारा इस अवसर पर बाबा निहालचंद मंदिर में भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर कप्तान चंदगी राम, नीतीश यादव, दिनेश यादव, मनीष नंबरदार, सत्यवीर नंबरदार, सुधीर, यशवीर, निशांत, आदर्श, राकेश, अनिल और संदीप उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में यदुवंशी कालेज के जूलॉजी विभाग के नौ विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विवि मीरपुर रेवाड़ी द्वारा जूलॉजी विभाग के छठे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के जूलॉजी विभाग के नौ विद्यार्थियों ने टॉप-10 सूची में अपनी जगह बनाकर नया कीर्तिमान हासिल किया। इस टॉप 10 सूची में यदुवंशी कॉलेज की छात्रा प्रिया पुत्री सतपाल ने पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

वहीं तमन्ना पुत्री विजेंद्र ने दूसरा, अंकित पुत्री वीर सिंह ने तीसरा, प्रिया पुत्री मुकेश ने चौथा, प्रियंका पुत्री राजकुमार ने पांचवा, हर्षिता पुत्री विनोद ने सातवां, दीपिका पुत्री संजीव कुमार ने आठवां, मुस्कान पुत्री विकास ने नौवा, ज्योति पुत्री जितेंद्र कुमार ने 10वां स्थान हासिल करके अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का नाम रोशन किया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत व शिक्षकों के मार्गदर्शन और कॉलेज के अनुशासित वातावरण का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि यदुवंशी संस्था सदैव गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा के लिए जाना जाता है और यह सफलता इस परंपरा की कड़ी हैं। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉक्टर प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुआन ने कहा कि जूलॉजी विभाग के छात्रों का यह प्रदर्शन न केवल विभाग के लिए बल्कि पूरे कॉलेज के लिए गर्व की बात हैं।

उन्होंने कहा कि इस समय यूजी व पीजी के एडमिशन चल रहे हैं और जो छात्र यहां पर एडमिशन का इच्छुक है उनका आनलाइन फ्री रजिस्ट्रेशन किया जाता हैं।

खबर संक्षेप

गुरु द्रोणाचार्य में पांच दिवसीय समर कैंप

नारनौल। शहरी क्षेत्र ढाणी किरारोद में स्थित गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दो से सात जून तक समर कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में भिन्न भिन्न स्पर्धाओं में लगभग 113 बच्चों ने भाग लिया। इस कैंप में खेल और शारीरिक गतिविधि, कला और रचनात्मक गतिविधियों, तथा सामाजिक कौशल गतिविधियों का अलग अलग आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने किया। इस मौके पर प्रवक्ता कमल सिंह, धर्मपाल सैनी, कृष्ण कुमार शर्मा , मनोज कुमार डीपीई लांक्षित , काजल आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

हमें इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी में प्राचार्य सुरेश कुमार के निर्देशन में भारतीय भाषा समर कैंप छठा दिन इतिहास एवं भूगोल विषय पर केन्द्रित रहा। कैंप की नोडल अधिकारी प्रवक्ता सुनीता कुमारी ने बताया कि छठे दिन कैंप के प्रतिभागी विद्यार्थियों को इतिहास एवं भूगोल में सामान्य जानकारी दी गई। प्रवक्ता डॉ जितेंद्र भारद्वाज ने इतिहास विषय में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास के प्रमुख राजवंशों सहित मराठा एवं अंग्रेजों से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक का इतिहास संक्षिप्त रूप में बताया।

कॉलेज में विद्यार्थियों को कराए योगासन

नांगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में प्राचार्य डॉ अनिल यादव की अध्यक्षता में योग प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें विद्यार्थियों को भिन्न-भिन्न शारीरिक बीमारियों पर अंकुश लगाने वाली योग क्रियाओं से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने मौहले वाइज ग्रामीणों को योगासनों से जोड़ने का संदेश दिया है। जल्दबाजी में फास्ट फूड व तली हुई सामग्री को खाने में शामिल करना आरंभ कर दिया। लोग लीवर, किडनी, डिप्रेशन समेत विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होने लगे हैं। बचाव को संतुलित भोजन व एक घंटे योगासनों को दिनचर्या में शामिल करना अनिवार्य है।

किसानों की कृषि लाइनें और खंभे अभी भी ज्यों के त्यों पड़े, सिचाई ठप

सागरपुर में तेज आंधी में टूटी कृषि लाइन, 22 दिन बाद भी नहीं पहुंचे बिजली कर्मी, आमजन हलकान

- पूरे जिले में अधिक बिजली के पोल क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव सागरपुर में पिछले माह 16 मई को आई तेज आंधी के कारण किसानों की कृषि लाइनें और खंभे अभी भी ज्यों के त्यों पड़े हुए हैं जिससे किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से किसान गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। पिछले माह जिले में आई भीषण आंधी ने बड़े पैमाने पर बिजली पोल, ट्रांसफार्मर और लाइनों को नुकसान पहुंचाया था। पूरे जिले में अधिक बिजली पोल क्षतिग्रस्त हुए वहीं ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों को भी भारी क्षति पहुंची थी। बिजली विभाग ने शहरों में तो बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है लेकिन सागरपुर में विशेषकर सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण नलकूपों की लाइनों पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। कृषि लाइन के टूटने से किसानों की फसल को भारी नुकसान हो गया है। इस कृषि लाइन को टूटे हुए लगभग 22 दिन हो गए हैं परंतु सिहमा बिजली निगम से अभी तक कोई बिजली कर्मी नहीं पहुंचा है।

क्या कहते है जेई व एसडीओ:

सिहमा बिजली निगम के एसडीओ अमित सोनी ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है। बिजली निगम तारों के ठीक करने के लिए दो बार जा चुका है। परंतु उनके पड़ोसी कार्य करने नहीं दे रही है। पुलिस सहायता के लिए लिखा हुआ है। पुलिस सहायता मिलते ही कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। बिजली निगम काम करने के लिए हमेशा तैयार बैठा हुआ है। अशोक कुमार जेई से बात की तो उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है। जो तार टूट गए हैं उनकी जगह पर नहीं तार लगाए जाएंगे। हम काम करने को तैयार है।

मंडी अटेली। सागरपुर में टूटे तारों पर पड़ा पेड़।

परिवारों के ईंधन जलकर राख

सुषमा

महिला सुषमा देवी ने बताया कि पिछले माह तेज आंधी के साथ बरसात हुई थी जिसके में पेड़ के गिरने से गांव की कृषि लाइन में शॉर्ट सर्किट हो गया था। जिसके चलते अनेक परिवारों के ईंधन जलकर राख हो गए थे। आग इतनी भयंकर थी कि जिसको नष्ट करने में काफी समय लगा। परंतु सिहमा बिजली विभाग उस कृषि लाइन को अभी तक ठीक नहीं किया है। जिसके चलते खेत में खड़ी फसल में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यह मामला सिहमा बिजली निगम के संज्ञान में डाला हुआ है परंतु वह लाइन को ठीक करने में वह रूचि नहीं दिखा रहा है।

सिर्फ वादे ही करती हैं सरकार

माया देवी

महिला माया देवी ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार अनेक प्रकार के वादे करती है परंतु गांव में पिछले दिनों से कृषि लाइन के तार टूटे पड़े हुए हैं। बिजली निगम गांव की इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस समस्या के चलते किसान के खेत में पानी नहीं पहुंच रहा है। किसान पर कब मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़े, कहा नहीं जा सकता। दिन रात पसीना बहाने के बाद भी फसल सुरक्षित नहीं होती है। इसकी कोई गारंटी नहीं होती। प्राकृतिक आपदा के बाद सबसे अधिक खतरा फसलों को बिजली निगम से रहता है।

लटकते तार पांच साल से मुसीबत

अनिल कुमार

खंड सिहमा पंचायत समिति मेंबर के प्रतिनिधि अनिल कुमार ने बताया कि गांव में लटकते तारों की समस्या पिछले पांच वर्षों से बनी हुई है। लटकते तारों से राष्ट्रीय पक्षियों के अलावा अन्य पक्षियों को भी मौत हो चुकी है। परंतु बिजली निगम को बार-बार शिकायत देने के बावजूद भी यह समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सागरपुर गांव के अंदर 11-11 हजार वोल्ट के तार घरों के बिल्कुल नजदीक से गुजर रहे हैं। गांव में आए दिन हो रही पक्षों की मृत्यु होने के कारण धीरे-धीरे पक्षी कम होते जा रहे हैं। गांव में अब सुबह पक्षियों की चहचहाहट कम होने लग गई है।

संज्ञान में मामला, नहीं बदले तार

मनोहर

किसान मनोहर ने बताया कि बिजली निगम के संज्ञान में मामला होने पर कृषि लाइन के तार नहीं बदले गए है। जिससे खतरा बना हुआ है। गांव में जर्जर बिजली के तारों की समस्या है। हर वर्ष यह तार आग लगने का कारण बनते हैं। किसानों का लाखों का नुकसान होता है। वैसे भी गर्मी के मौसम में तेज हवा चलती है तो आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

आंधी और तूफान से कृषि लाइन के 11 हजार वोल्ट के तार टूट कर नीचे गिर गए हैं। बिजली निगम ने उन तारों को अभी तक नही बदला गया है। इस वजह से हर पल कृषि कार्य करते समय हादसा होने का डर बना हुआ है। बिजली के तार आपस में भी बंधे हुए हैं जो कभी भी पोल के टूटने से जमीन पर आकर गिर सकते हैं जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लेकिन बिजली निगम के कर्मचारियों द्वारा इस मामले में कोई संज्ञान नही लिया गया। विभाग की इस लापरवाही से किसान को हर पल खतरा होने का डर सता रहा है।

अंधकार में गिरी लाइन, शॉर्ट सर्किट

रामनिवास

ग्रामीण रामनिवास ने बताया कि उस अंधकार में मोटे-मोटे पेड़ कृषि लाइन पर गिर गए, जिससे शॉर्ट सर्किट हो गया। जमीन पर रखें ईंधन चलकर राख हो गए थे। इस बात को 20 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सिहमा बिजली निगम उनकी इसकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। आज उनके खेतों में कपास, ज्वार की फसल को नुकसान हो गया है। बिजली निगम के संज्ञान में मामला होने पर भी वह उनकी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने पर दिया जोर

- युवाओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी), क्षेत्रीय कार्यालय महेंद्रगढ़ के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोजन में भूपेंद्रा महिला विश्वविद्यालय सोनीपत में पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह, कीटअप इंडस्ट्रीज की सह-संस्थापक डॉ. पुनीता शर्मा तथा एचएसपीसीबी महेंद्रगढ़ में सहायक पर्यावरण अभियंता दीपेश काल्हेर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विभाग की पहल की सराहना करते हुए युवाओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की अपील की। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक को समाप्त करने के लिए समेकित और समावेशी प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। इससे पूर्व प्लास्टिक प्रदूषण का अंत विषय पर केंद्रित कार्यक्रम की शुरूआत पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता सिंह के स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। आयोजन में मुख्यवक्ता प्रो. भूपेंद्र सिंह ने प्लास्टिक प्रदूषण की सर्वव्यापकता और इसके मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इसके प्रबंधन हेतु शैक्षणिक और नीति-स्तरीय उपायों की भी जानकारी दी। आयोजन में दूसरी वक्ता डॉ. पुनीता शर्मा ने उद्योग जगत की ओर से सतत नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से प्लास्टिक के वैकल्पिक समाधानों को प्रस्तुत किया। उन्होंने खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीकों और अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया। इसी क्रम में दीपेश काल्हेर ने प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लागू नियमों और स्थानीय पहलों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मिशन लाइफ जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने शैक्षणिक समुदाय से प्लास्टिक निर्भरता को कम करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

महेंद्रगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

पौधरोपण अभियान

कार्यक्रम के बाद पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनूप यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ज्ञान कार्यक्रम का समापन

- दस दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन को कुलपति ने सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य और रोगों में माइक्रोबियल बायोफिल्म्स विषय पर आयोजित दस दिवसीय ज्ञान (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकैडमिक नेटवर्क्स) पाठ्यक्रम का समापन हो गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग को ज्ञान कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संकाय सदस्यों को इस प्रकार के अकादमिक आयोजन को नियमित रूप से आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम के समापन सत्र में उपस्थित कुलपति, विशेषज्ञ वक्ता व प्रतिभागी।

समापन सत्र की अध्यक्षता डीन प्रो. दिनेश ने की

समापन सत्र की अध्यक्षता स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने की। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. गुंजन गोयल ने दस दिवसीय पाठ्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस कोर्स के विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अरुण कुमार भूनिया ने सूक्ष्मजीव जैव-फिल्मों के गठन, तंत्र, पहचान और नियंत्रण के सभी पहलुओं पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रयोगशाला में जैव-फिल्मों की पहचान और सूक्ष्मदर्शीय विश्लेषण की विधियों का प्रदर्शन भी किया गया। प्रो. अरुण कुमार भूनिया ने छात्रों को ऐसे आयोजनों में भाग लेने और अपने करियर लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को उनके ग्रेड कार्ड विविकुलपति द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन माइक्रोबायोलॉजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास बेनीवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. जितेन्द्र कुमार सैनी, डॉ. पूजा यादव और डॉ. अविजित कुमार प्रमाणिक भी उपस्थित रहे।

योग प्रशिक्षण शिविर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

श्रीराम सेवा ट्रस्ट गुजरवास में आयोजित 21 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर किया जाएगा। शिविर के सातवें दिन सरोज गर्ग, पतंजलि योगपीठ की जिला प्रभारी ने विभिन्न यौगिक क्रियाओं, सूक्ष्म व्यायाम, आसनों व प्राणायाम के साथ-साथ योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सरोज ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग से बेहतर कोई उपाय नहीं है। यह सहज, सरल, सुलभ व संपूर्ण व्यायाम है। आज की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए इसे अपनी दिनचर्या का जरूरी हिस्सा बनाना ही होगा। गर्ग ने बताया कि आज उचित खान-पान, रहन सहन के अभाव व भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में मनुष्य तनावग्रस्त है। इस कारण मोटापा, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, एलर्जी, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं। इन सबसे बचने का सरल व सस्ता उपाय योग ही है। श्रीराम सेवा ट्रस्ट के प्रधान ओपी चौहान ने बताया कि शिविर में 51 बच्चे, युवा व बुजुर्गों ने पंजीकरण करवाया है। इनको प्रतिदिन सुबह योगाभ्यास के बाद फलाहार दिया जाता है। सभी साधकों को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार की यात्रा करवाई जाएगी।

मंडी अटेली। गुजरवास में योग प्रशिक्षण लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। मूर्ति स्थापित करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

बाबा मोतीनाथ मंदिर में हवन के साथ मूर्ति स्थापना

महेंद्रगढ़। गांव बचीनी के बाबा मोतीनाथ मंदिर में ग्रामीणों के सहयोग से हवन करने के साथ ही बाबा हनुमान, दुर्गा माता, बाबा भैरव व शनि देव की मूर्ति की स्थापना की गई। बाबा मोतीनाथ सेवा समिति बचीनी सदस्य जयप्रकाश ने बताया कि सुबह स्वा नौ बजे मंदिर में हवन करने के साथ ही मूर्ति स्थापना की गई, जिसमें आचार्य शिवम, सोनू शर्मा, कर्मवीर शर्मा, योगेंद्र शर्मा, नरेश शर्मा ने विधि-विधान से पूजा अर्चना करके मूर्ति स्थापना करवाई। इस दौरान मुकेश देवी पत्नी श्रीभगवान, शर्मिला पत्नी हनुमान, निशा पत्नी अरविंद, प्रियंका पत्नी मुकेश मास्टर, कमला पत्नी रविंद्र, सरोज देवी पत्नी करणसिंह, मंजू पत्नी मनोज, सरोज पत्नी प्रदीप, सुमन पत्नी जयप्रकाश यजमान बने। मंदिर परिसर में उपस्थित सभी सदस्यों ने यज्ञ में आहुति डाली और सभी देवी-देवताओं के दर्शन कर उनकी पूजा-अर्चना करके उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान ग्रामीणों के सहयोग से देसी घी का विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

संजीव की पुण्यतिथि पर गौसवामणी

नांगल चौधरी। चतुर्भुज भगवान मंदिर के दिवंगत मुख्य संजीव पुजारी की पुण्यतिथि पर परिजनों ने गौ सवामणी का आयोजन किया। गौशाला प्रांगण की सफाई करके पौधारोपण किया तथा नियमित रूप से देखरेख करने का संकल्प लिया है। दिवंगत संजीव पुजारी के पुत्र डॉ हेमंत शर्मा ने बताया कि पिताजी का गोसेवा से विशेष लगाव था, बेसहारा घूमती गायों को चारा खिलाने तथा बीमार होने पर उपचार कराना उनकी दिनचर्या में शामिल रहा है। प्रकृति की शुद्धता के लिए उन्होंने 50 गांवों में जनसंपर्क करके लोगों को दैनिक हवन करने के लिए प्रेरित किया है। इस मौके पर दिवंगत की धर्मपत्नि शारदा देवी, निखिल शर्मा समेत प्रबुद्धजन मौजूद रहे हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ईकबालपुर नंगली में एक बणी में जोहड़ को 5 वर्ष के लिए मछली पालन के लिए पट्टे पर दिनांक 12.06.2025 को प्रातः 10 बजे छोड़ी जाएगी। पट्टे की शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी। इच्छुक व्यक्ति मौके का लाभ उठाएं।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत ईकबालपुर नंगली
मो. नं. 9468416547

कार्यालय सरपंच ग्राम पंचायत, मेघोत हाला
खण्ड नांगल चौधरी, जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) पिन 123023

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मेघोत हाला के जोहड़ में मछलियां निकलवाकर जोहड़ की सफाई करवाने के लिए ग्राम पंचायत जोहड़ की बोली पर छोड़ना चाहती है।

जमानत राशि : रु. 10,000/- तारीख 12 जून 2025 समय : 10 बजे आम स्थान : गांव की परस

अतः इच्छुक बोलीदाता बोली में भाग ले सकता है।

हस्ता/- सरपंच, ग्राम पंचायत, मेघोत हाला
खण्ड नांगल चौधरी, जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)

कार्यालय नगरपालिका कनीना

नियम व शर्तें

नगरपालिका कनीना की कृषि योग्य भूमि के प्लाट नं. 1 से 4 व 5 की वर्ष 2025-26 के लिए खुली बोली पर दिनांक 12-06-2025 को प्रातः 11:00 बजे नगरपालिका कार्यालय में पट्टे पर छोडी जानी है। नियम व शर्तें निम्न प्रकार है-

1. यह कि बोली प्लाट की 1 से 4 तक की मु. 10,000/- रुपये स्कोरटी केस बोली के पूर्व नगरपालिका कार्यालय में जमा करानी होगी। तभी बोली दाता बोली दे सकेगा। जिस व्यक्ति के नाम बोली नहीं छूटेगी उनकी स्कोरटी की राशि बोली के बाद वापिस कर दी जायेगी।
2. यह कि कोई भी नगरपालिका का बाकीदार बोली नही लगा सकता।
3. यह कि सरकार की हिदायत अनुसार कुल रकबा का 1/3 हिस्सा प्लाट नं. 3 अनुसुचित जाति के लिए पट्टे पर छोड़ा जायेगा।
4. यह कि अन्य प्लाट सामान्य श्रेणी के लिए कोई भी बॉलीदाता बोली दे सकेगा।
5. यह कि बोली की किसी भी शर्तों को मौके पर प्रधान नगरपालिका कनीना व जिला नगर आयुक्त, नारनौल द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि द्वारा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार होगा।
6. यह कि बोली की स्वीकृत अधिकतम राशि बोली स्वीकृत होने के पश्चात मौके पर नगद जमा करानी होगी।
7. यह कि शर्तें पूरी ना करनों की सूरत में किसी भी बोलीदाता की स्कोरटी की राशि जब्त कर ली जायेगी।
8. कृषि योग्य भूमि की एक वर्ष यानि 2025-26 के लिए पट्टे के लिए आम सूचना के लिए मुनादी करा दी गई है तथा अखबार में भी विज्ञापन प्रकाशित करवा दिया गया है।
9. सभी टैक्स पट्टेदार को देने होगें।।
10. बिजली का बिल यदि किसी प्रकार का होगा तो पट्टेदार द्वारा भरा जायेगा।
11. प्रस्तावित कृषि भूमि पार पट्टेदार किसी प्रकार का निर्माण नही करेगा।
12. भूमि पर लगे सभी उपकरण इत्यादि यदि कोई हो तो चालू हालत में प्राप्त करेगा और चालू हालत में वापिस करेगा।
13. बाकि शर्तें मौके पर सुना दी जायेगी।

हस्ता/- सचिव, नगरपालिका कनीना

27 दिन पहले तत्कालीन जीएम सिरसा ट्रांसफर हुआ था

रोडवेज डिपो में डीजी मनोज ने संभाला जीएम का कार्यभार

- अवकाश होने के बावजूद कार्यालय पहुंचे रोडवेज कर्मचारियों ने उनका स्वागत कर दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शनिवार को रोडवेज डिपो मे महाप्रबंधक का चार्ज मनोज कुमार शर्मा ने संभाल लिया। अवकाश होने के बावजूद वह कार्यालय पहुंचे, जहां रोडवेज कर्मचारियों ने उनका विधिवत स्वागत किया। फिलहाल स्टेट ट्रांसपोर्ट के डायरेक्टर जनरल मनोज कुमार को सरकार ने रोडवेज जीएम नारनौल का अतिरिक्त कार्यभार दिया है। उनके नारनौल पहुंचने पर डिपो प्रधान हंसराज यादव की अध्यक्षता में डिपो कमेटी व सभी प्रधानों ने महाप्रबंधक को मिठाई खिलाकर व फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मान व स्वागत किया। डिपो प्रधान सुरेश कुमार व संगठन सचिव नीरज सिंह ने भी उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। बता दें कि करीब 27 दिन पहले नारनौल रोडवेज डिपो के तत्कालीन जीएम अनीत यादव का सिरसा ट्रांसफर कर दिया गया था। तभी से यह पद रिक्त चल रहा था और न ही पड़ोसी जिले के जीएम से इस डिपो को अटैच किया गया था, जिस कारण कर्मचारियों की सेलरी से लेकर अन्य आवश्यक कार्य ठप्प हो गए थे। बसों को टोल प्लाजा से निकालने में फास्ट टैग की दिक्कत आ रही थी, वहीं अन्य परेशानी भी खड़ी हो गई थी।

एचकेआरएन के तहत लगे कर्मचारियों को इस कारण दो महीने से सेलरी नहीं मिल पाई थी, वहीं रेगुलर कर्मचारियों की एक माह से सेलरी अटकी हुई है। इससे इन कर्मचारियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अब जीएम का चार्ज दे दिए जाने से यह आवश्यक कार्य हो सकेंगे और रोडवेज कर्मचारियों को इससे जरूर बड़ी राहत मिलेगी।

नारनौल। डीजी मनोज शर्मा का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते कर्मचारी।

मौके पर यह रहे मौजूद

इस मौके पर हेड क्लर्क राजेश कुमार शर्मा व नाजर ओमपाल मौजूद रहे। मुख्य निरीक्षकों द्धारा भी महाप्रबंधक का स्वागत किया। मुख्य निरीक्षक ब्रह्मप्रकाश व सतीस कुमार, रोडवेज कार्यशाला से तेजपाल सेकवाल, बुकिंग इंचार्ज विरेन्द्र कुमार, इंस्पेक्टर करतार, नरेश कुमार, किरोड़ीमल व सतेंद्र कुमार ने भी उनका स्वागत किया। इस मौके पर महासचिव मनोज कुमार, पूर्व महासचिव कर्मवीर, पूर्व प्रधान कुलदीप, विजय चेयरमैन, सुदेश मास्टर, संदीप केशियर, वेदप्रकाश, हवासिंह, रजनीश कुमार, देशराज, जितेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, योगेश कुमार, कृष्ण कुमार व संतलाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मंडलाना-धरसूं रोड पर मिला अज्ञात शव

नारनौल। मंडलाना-धरसूं रोड को क्रॉस कर रहे बाइपास फ्लाईओवर के नीचे दोपहर करीब ढाई बजे 50-52 वर्ष का अधेड़ व्यक्ति मृतावस्था में मिला है। सदर पुलिस ने आसपास के गांवों में उसकी फोटो खींचकर पहचान का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति मृतावस्था में देख लोगों ने पुलिस को फोन किया। करीब 52 वर्षीय व्यक्ति ने सफेद-कुर्ता पायजामा पहन रखा है तथा पतला शरीर है। बाल लगभग सफेद हैं और खड़े हुए हैं। मृतक की जब से माचिस एवं 20 रुपये मिले हैं। पैरों में चप्पल पहनी रखी हैं तथा एक चप्पल टूटी हुई है।

कटकई में बाबा भैया का विशाल भंडारा 10 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव में कटकई में बाबा भैया का विशाल भंडारा 10 जून को आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाबा भैया के मंदिर में भजन कीर्तन नौ जून रात्रि सवा आठ बजे होंगे, जबकि भंडारा 10 जून को हवन यज्ञ के साथ किया जाएगा। इस भंडारे में दूर दराज से आकर श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कनीना में आज होगी श्रीगौड़ सभा की बैठक

कनीना। श्रीगौड़ सभा कनीना की बैठक आठ जून को आयोजित की जाएगी। सभा के प्रधान डॉ. रविंद्र कौशिक ने बताया कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मैमोरियल क्लब कनीना' में सुबह नौ बजे आयोजित इस सभा में आय-व्यय को लेखाजोखा दिया जाएगा। बीती 11 जून को कनीना में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। सदस्यता अभियान चलाने को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी। समाज उत्थान के लिए टीम का गठन किया जाएगा।

बेवल में मोहनदास की स्मृति में लगाया भंडारा

नारनौल। सिद्ध संत बाबा मोहनदास की स्मृति में बेवल गांव में भंडारा आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा मोहनदास मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद तथा प्रसाद लिया। प्रातः हवन यज्ञ कर भंडारा का शुभारंभ किया गया। समाजसेवी अतरलाल ने बाबा मोहनदास मंदिर में धोक लगाई तथा आशीर्वाद लिया। समिति सदस्यों ने अतरलाल का माला तथा साफा पहनाकर स्वागत किया। सुभाष, प्रमोद, रामौतार, सुगनाराम ने कहा जो सच्चे मन से बाबा के दरबार में आता है उसकी मनोकामना पूरी होती है। मेले में श्रद्धालुओं ने खिलौने तथा धार्मिक पूजा पाठ की सामग्री खरीदी। मौके पर अश्वनी, सुभाष यादव, राजेश, सुनिल, प्रमोद, अमित, रामौतार, सुगनाराम, देवेन्द्र, सतबीर, संदीप, रवि आदि कमेटी सदस्यों ने भंडारा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

दफ्तरों में आवेदन खत्म और पोर्टलों के सर्वर खराबी से लोग परेशान

सरल पोर्टलों पर आठवें दिन भी नहीं बने पिछड़ा वर्ग के प्रमाण पत्र, इधर-उधर भटकने को मजबूर लाखों युवा: मंजू चौधरी

युवाओं को एक अप्रैल के बाद बने दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करना होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

विधायक मंजू चौधरी।

- सरकार के निर्देशों पर एक अप्रैल के बाद बने प्रमाण पत्रों को स्वीकार करेगा एचएसएससी

सरकार के निर्देशों पर एचएसएससी ने सीईटी का शेड्यूल जारी कर दिया, युवाओं को एक अप्रैल के बाद बने हुए दस्तावेज ही पोर्टल पर अपलोड करने की हिदायत दी है। अन्यथा आवेदनों को निरस्त करने की चेतावनी दी है, जिससे चिंतित युवाओं ने नए प्रमाण पत्र तैयार कराना आरंभ कर दिया। किंतु विभाग के दफ्तरों में ना तो प्रमाण पत्रों की फाइलें उपलब्ध हैं और ना ही पोर्टल के सर्वर चालू हैं। लाखों युवा बीते आठ दिनों से सीएससी व दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। सरकार ने अधूरी तैयारियों में सीईटी के आवेदन मांगकर युवाओं के साथ भद्दा मजाक किया है। उक्त विचार नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी ने प्रेसवार्ता में व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 2022 में सीईटी कराया था, लेकिन आर्थिक नियमों के चलते योग्य युवाओं को पिछड़ने का खतरा बढ़ गया। केस दायर होने पर उच्च न्यायालय ने आर्थिक अंक प्रणाली को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। अब सरकार ने दुबारा सीईटी का शेड्यूल रिलीज कर दिया तथा युवाओं से 12 जून तक ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। नियमों में बदलाव करते हुए युवाओं को एक अप्रैल के बाद बने दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करना होगा, अन्यथा आवेदन को निरस्त करने का अल्टीमेटम है। लेकिन धरातल पर सरकार व विभाग की सीईटी संबंधित तैयारिया जीरो हैं। रेडक्रॉस कार्यालय में डोमिसाइल की फाइलें खत्म हैं तो सरल के पोर्टल ठप पड़े हैं। बीते आठ दिनों से पिछड़ा वर्ग के युवाओं को प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं दूसरी तरफ आवेदन की अंतिम तिथि निकलने के कगार पर है। चिंतित युवा दिनभर दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं तो रातभर सीएससी पर बैठकर सरल पोर्टल चालू होने का इंतजार कर रहे हैं। समस्या से अधिकारियों को अवगत करवा दिया, साथ ही सीएम को स्थिति रिपोर्ट भेज दी। बावजूद खराब पोर्टलों की रिपेयर नहीं होना युवाओं के साथ घिनौना मजाक है। उन्होंने सरकार ने सीईटी आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाने का आग्रह किया है ताकि परेशान युवा सुविधा पूर्वक दस्तावेज तैयार कराने और आवेदन कर सकें।

प्रमाण पत्रों के आभाव कॉलेजों के दाखिला पंजीकरण प्रभावित

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि कॉलेज में दाखिला पंजीकरण के लिए ओबीसी, बीसी, डोमिसाइल, इनकम प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। लेकिन दफ्तरों में फाइलें खत्म होने तथा पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण बहुत से विद्यार्थी प्रमाण पत्र नहीं बनवा पाए। शनिवार की रात 12 बजे पोर्टल बंद करने का शेड्यूल है जिस कारण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से वंचित रहना पड़ेगा।

जोरासी के सस्पेंडेड सरपंच एवं शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने रखे अपने-अपने पक्ष

जोरासी की राजनीति: दोनों पक्षों के आरोप प्रत्यारोप, 10 को कमिश्नर के पास तारीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। पत्रकारवार्ता करते सस्पेंडिड सरपंच हरीराम।

गांव जोरासी के सस्पेंडिड सरपंच एवं शिकायतकर्ता ग्रामीणों के बीच आरोप-प्रत्योराप का सिलसिला तेज हो गया है। शनिवार को दोनों ही पक्षों ने मीडिया के सम्मुख अपना-अपना पक्ष रखा। हालांकि 10 तारीख को दोनों पक्षों को कमिश्नर के समक्ष प्रस्तुत होना है और अपना-अपना पक्ष रखना है। इस तारीख से पहले ही शनिवार को दोनों पक्षों ने मीडिया के समक्ष अपना पक्ष रखा।

सरपंच पक्ष ने आरोप बताएं निराधार

जोरासी के सस्पेंडिड सरपंच हरीराम शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने स्वामीत्व योजना के तहत पिछले दिनों लाल डोरा जमीनों का सर्वे करवाया गया था। जब सर्वे शुरू हुआ, तब सरपंच रमेश चंद थे, लेकिन उनका कार्यकाल खत्म होने उपरांत उस दौरान कोरोना महामारी के कारण समय पर चुनाव नहीं हुए थे तथा ग्राम पंचायतों की पॉवर उनके ग्राम सचिवों को दे दी गई थी। करीब डेढ़-दो साल तक पॉवर पंचायत सैक्रेट्री के पास रही। सर्वे कार्य की लिस्ट भी सैक्रेट्री की देखरेख में बनी। उन्होंने बताया कि जो सर्वे की लिस्ट सरकार को भेजी गई, उसमें भूमि नं 62249008 पर ग्राम पंचायत को स्वामी दर्शा दिया, जबकि इससे पहले की लिस्टों में इस नंबर पर सेवाराम वल्द संताराम के वारिसों के नाम दर्ज थे। इस प्रकार सैक्रेट्री ने गांव के सारे जमीनी रिकार्ड को उथल-पुथल कर दिया, जिसकी ग्रामीणों व नंबरदारों द्वारा डीसी को शिकायत भी की। सन 2020 से 2022 तक हुए उपरोक्त कार्य से उसका कोई लेना-देना नहीं है। हरीराम शर्मा ने बताया कि जब वह सरपंच बने, तब उन्होंने गांव में अवैध कब्जों की जमीन को मुक्त कराना शुरू कर दिया। ग्राम पंचायत रिकार्ड में लगभग 260 एकड़ जमीन पंचायत के नाम है, लेकिन पंचायत के पास कब्जा महज 15 एकड़ का ही था, जिसकी नीलामी से महज 50-60 हजार रुपये की ही इनकम होती थी, लेकिन उन्होंने पंचों को साथ लेकर सामूहिक प्रयासों से लगभग 140 एकड़ जमीन को ग्रामीणों से पंचायत के हक में छुड़वा दिया और जो इनकम कम थी, वह बढ़कर 10-12 लाख रुपये सालाना हो गई। इसके लिए प्रशासन ने उनको सम्मानित भी किया। हरीराम का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने के अभियान से कुछ ग्रामीणों को परेशानी हुई, क्योंकि उन्होंने अतिक्रमण किए हुए थे। किसी ने मैरिज पैलेस बना रखे थे तो किसी ने पक्के मकान बना रखे थे और कईयों ने अन्य तरीकों से कब्जे कर रखे थे। इसी अभियान में बाधा बनते हुए विरोधी उनकी झूठी शिकायतें करने लग गए। उन्हीं शिकायतों के आधार पर एसडीएम नारनौल ने जांच की, उनके सम्मुख पंचायत के दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, लेकिन सुनवाई सही प्रकार से नहीं हुई और अधिकारियों ने न जाने किस दबाव में आकर उनके खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर दी, जिसको आधार बनाते हुए डीसी नारनौल ने उन्हें सस्पेंड कर दिया, जिसके विरुद्ध उन्होंने गुरुग्राम कमिश्नर के यहां अपील दायर की हुई है। अगली सुनवाई 10 जून को होनी है। हरीराम शर्मा ने दोहराया कि वह बिल्कुल निर्दोष हैं तथा किसी जमीन को अपनों के नाम नहीं चढ़ाया है, जो भी सर्वे लिस्ट बनी, वह उसके कार्यकाल से पहले की हैं। यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उसे फांसी दे दी जाए।

शिकायत पक्ष बोला

सरपंच सहित जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई की उठाई मांग

नारनौल। पत्रकारवार्ता करते शिकायतकर्ता ग्रामीण बिजेंद्र व अन्य।

दूसरी ओर जोरासी निवासी शिकायतकर्ता बिजेंद्र शर्मा व नरेंद्र एडवोकेट ने सरपंच पर करोड़ों की जमीन का गबन का आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने 3 मई 2024 को ऑनलाइन के माध्यम से गांव की प्रॉपर्टी आईडी का रिकार्ड प्राप्त किया, जिसमें सरपंच हरीराम व परिजनों द्वारा ग्राम पंचायत की जोहड़ एवं नाला की जमीन पर अवैध कब्जा होना पाया गया। इसकी उन्होंने 26 जून 2024 को डीसी को शिकायत की। इस शिकायत की जांच डीसी ने एसडीएम नारनौल से करवाई। एसडीएम ने जांच के लिए दोनों पक्षों को बुलाया और बयान दर्ज करने के साथ ही संबंधित दस्तावेज भी जमा किए। उन्होंने बताया कि एट्रीब्यूट सीट नंबर 3 में लाल डोरा की जमीन के स्वामीत्व योजना के कार्ड बनकर तैयार होकर गांव में पंचायत के पास पहुंचे। तब अक्टूबर-नवंबर 2022 में नई पंचायत सरपंच हरीराम शर्मा के नेतृत्व में अस्तित्व में आ गई थी और जो स्वामीत्व योजना के कार्ड इस पंचायत को बांटने थे, वह नहीं बांटे गए। सरपंच से कार्ड मांगें तो देने से मना कर दिया। इसकी शिकायत डीसी नारनौल से की गई। उन्होंने सरपंच पर आरोप लगाते हुए बताया कि सरपंच ने मनमाने ढंग से सर्वे रिपोर्ट तैयार की थी और ऑनलाइन रिकार्ड में ग्राम पंचायत की एलजीडी आइडी नंबर 622490008 जमीन इनके परिवार के नाम चढ़ गई। जो एसडीएम ने जांच में भी पाई है। उन्हीं की जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसी ने सरपंच हरीराम को सस्पेंड किया है, जिस पर उन्होंने कमिश्नर गुरुग्राम के यहां अपील दायर की और कमिश्नर ने उस अपील पर यथास्थिति रखने का आदेश सुनाया है,गांव में अब भी भ्रम की स्थिति बनाई जा रही है। उन्होंने मांग उठाई कि इस मामले में अधिकारियों की भी मिलीभगत है तथा जो भी जिम्मेदार अधिकारी व संलिप्त दोषी हैं, उन सबके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

मोबाइल लैब अभियान जारी

नारनौल। सैंपल लेकर जांच करवाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव-गांव जाकर पेयजल की कर रही रासायनिक जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

वैन 30 जून तक जिले के गांवों का दौरा करेगी

जल जीवन मिशन के तहत जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से गांव-गांव जाकर पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब ने जिला महेन्द्रगढ़ के खंड निजामपुर के विभिन्न गांवों हसनपुर, रामबास, मारोली, कारोली, धानौता, दनचौली, बामनवास व आजमाबाद मौखुता में पेयजल के नमूनों की मौके पर ही रासायनिक जांच की। यह वैन 30 जून तक जिले के गांवों का दौरा करेगी। सोमवार से शनिवार को गांव गांव जाकर पेयजल स्त्रोत की जांच की जा रही है। जिला महेन्द्रगढ़ के 509 स्त्रोत जांच करने का लक्ष्य है। पेयजल की जांच के समय ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्य व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी पेयजल जांच के बारे में अवगत कराया जाता है।

इस अवसर पर खंड संसाधन संयोजक अशोक यादव ने ग्रामीणों को बीआईएस 10500 मानक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मानक भारत सरकार द्वारा निर्धारित पेयजल गुणवत्ता का प्रमुख मापदंड है, जिसके अनुसार पेयजल में पाए जाने वाले तत्वों की मात्रा और सुरक्षित सीमा तय की गई है। उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के महत्व को समझाया और जलजनित रोगों से बचाव के उपाय भी साझा किए। मोबाइल लैब के लैब असिस्टेंट उज्ज्वल कुमार ने बताया कि यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जो मौके पर ही पानी की जांच करके लोगों को उसकी गुणवत्ता की रिपोर्ट देती है। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर घर और गांव में लोगों को पीने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण जल उपलब्ध हो। जनस्वास्थ्य विभाग की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी कदम है। विभाग की टीमें नियमित रूप से गांवों में जाकर पेयजल स्त्रोतों की जांच कर रही हैं ताकि जलजनित बीमारियों पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

गन्ने के जूस की छबील लगाकर मिटाई प्यास

नारनौल। जय जितेंद्र सेवा समिति द्वारा निर्जला एकादशी पर शिव मंदिर आदर्श नगर में गन्ने के जूस की छबील लगाई गई। देवेंद्र यादव, भरतेश यादव एवं प्रदीप यादव के नेतृत्व में लगाई गई छबील पर राहगिरों को गन्ने का जूस पिलाया। छबील पर अनेक समाजसेवियों द्वारा लोगों को गन्ने के जूस की सेवा दी। समिति संस्थापक रविंद्र यादव ने कहा कि जल सेवा सबसे बड़ी सेवा है। कार्यक्रम में संदीप व्यास, अध्यापक भूपसिंह भारती, अजीत सिंह चौधरी, दिनेश, दीपक यादव, साहिल यादव, वीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह कुंडू, मोहर सिंह, हरभगवान, हैप्पी, अमन मित्तल तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। गन्ने के जूस की छबील लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

बंद मकान में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया, जांच में जुटी पुलिस

नारनौल। चोरों के हौंसले इन दिनों बुलंद है। आए दिन चोरी की वारदात सामने आ रही है। अभी हाल ही में शहर में एक बंद मकान को चोरों ने फिर निशाना बनाया है और हजारों रुपये का सामान चुराने की बात सामने आ रही है। पुलिस को दी गई शिकायत में मोहल्ला कोलियान के रहने वाले विक्रम सिंह ने बताया कि वह राघव शरण धर्मशाला के पीछे सीआईए रोड की तरफ रहता है। बीते कल वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ उसकी जांच करवाने के लिए पीजीआईएमएस रोहतक में गया हुआ था। वहीं उसकी बेटी अपनी मम्मी के साथ पेपर देने के लिए हिसार गई हुई थी। इसलिए घर के ताला लगा हुआ था। बीती रात को चोरों ने ताला तोड़कर घर के अंदर से हजारों रुपए की नकदी के अलावा सामान चुरा लिया। सुबह पड़ोसियो ने इसकी सूचना उन्हें दी। सूचना मिलने के बाद वे घर पर पहुंचे तथा देखा तो पाया कि चोरों ने ताला तोड़कर उनके घर से चोरी की है। चोरों ने उनके घर का सारा सामान बिखेर दिया था। जिसकी वे जांच करने पर ही बता पाएंगे कि कितने की चोरी हुई है।

बेवल, झिगावन, सिहोर, कोका, छितरोली व गोमली में दस्ते ने हटाए अवैध कब्जे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

- गांवों में अवैध कब्जेधारियों से सख्ती से निपटा जाएगा: बीडीपीओ
- कब्जे हटवाने के लिए प्रत्येक सप्ताह चलेगा विशेष अभियान

कनीना। गांवों में किए गए अवैध कब्जे हटाती जेसीबी मशीन।

प्रदेश सरकार व उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर गावों में पंचायती भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हरहाल में हटाया जाएगा और कब्जेधारियों से सख्ती से निपटा जाएगा। विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों की ओर से हाल ही में बेवल, झिगावन, सिहोर, कोका, छितरोली, गोमली में कब्जा कार्रवाई की गई। जिसके माध्यम से दर्जनभर ग्रामीणों द्वारा कब्जा की गई कई एकड़ भूमि को कब्जा मुक्त करवाकर पंचायत को सौंपा गया।

कनीना के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप सिंह ने बताया कि कब्जा हटवाने के लिए पुलिस अधीक्षक नारनौल को पत्र भेजकर पुलिस फोर्स की मुहैया करवाने की मांग की गई थी। पुलिस फोर्स के साथ उन्होंने बेवल में दो, झिगावन में दो, कोका में एक, खैराना में दो, छितरोली में एक, सिहोर में एक, गोमली में पांच ग्रामीणों से कब्जे छुडवाए गए। बीडीपीओ ने बताया कि पंचायती राज अधिनियम के तहत कब्जा कार्रवाई के दौरान जेसीबी, ट्रैक्टर सहित मजदूरों का खर्चा अवैध कब्जा धारी से वसूलने का प्रावधान है।

ग्राम पंचायत द्वारा जारी किए गए 24(2) का नोटिस देने के बाद अगर अवैध कब्जाधारी अपना कब्जा नहीं हटाता है तो खर्च की वसूली आरोपी से की जाएगी। कब्जा कार्रवाई के दौरान हुए खर्चे का नोटिस कब्जेधारियों को देकर वसूली की जाएगी।

मंगलवार-बुधवार पांच गांवों में होगी कार्रवाई

प्रशासनिक दस्ते द्वारा आगामी मंगलवार-बुधवार को गांव गुढा, रामबास, बूचावास, सीगडी, नांगल हरनाथ में जेसीबी मशीन से कब्जा कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में कब्जेधारियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। कब्जेधारियों से सख्ती से निपटा जाएगा। सभी गांवों में अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम

योगासन खेल प्रतियोगिता सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आज

- 10 से 14 आयु वर्ग की योगासन खेल प्रतियोगिता में प्रतिभा प्रथम स्थान पर रही
- प्रतियोगिता स्थल पर सुबह आठ बजे आधार दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आठ जून को सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले छह जून को विभिन्न स्थानों पर खंड स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता किया गया।

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि खंड स्तर पर विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित योगासन प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी आठ जून को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि समस्त खिलाड़ी अपने-अपने प्रतियोगिता स्थल पर सुबह आठ बजे अपना आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आएं।

खंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि खंड महेन्द्रगढ़ व सतनाली के लिए राव पहलाद सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद में महिला की 10 से 14 आयु वर्ग आयोजित योगासन खेल प्रतियोगिता में प्रतिभा प्रथम, फलक द्वितीय व काव्या तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार 14 से 18 आयु वर्ग में खुशी, 28 से 40 आयु वर्ग में संजू व 40 से 60 आयु वर्ग में सुमन प्रथम स्थान पर रही।

इसी प्रकार पुरुष में 10 से 14 आयु वर्ग में पुलकित प्रथम, अनंत द्वितीय व रिंकू तृतीय स्थान पर रहा। 14 से 18 आयु वर्ग में सुमित, 18 से 28 आयु वर्ग में विजयपाल व 40 से 60 आयु वर्ग में धर्मवीर सिंह प्रथम स्थान पर रहा। खंड नारनौल व सीहमा के लिए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्टेडियम नारनौल में आयोजित 10 से 14 आयु वर्ग महिला योगासन खेल प्रतियोगिता में भूमिका प्रथम, पूर्वी द्वितीय व पवनी तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार 14 से 18 आयु वर्ग में खुशी प्रथम, जिया द्वितीय रितिका तृतीय, 18 से 28 आयु वर्ग में स्वाति प्रथम, आरती द्वितीय, ज्योति तृतीय स्थान पर

रही। 28 से 40 आयु वर्ग में बिल्लू कुमारी व 60 से अधिक आयु वर्ग में सुमित प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार पुरुष में 10 से 14 आयु वर्ग में प्रियांशु प्रथम, इशांत द्वितीय व जतिन तृतीय स्थान पर रहा।

14 से 18 आयु वर्ग में प्रियांशु प्रथम, विशाल द्वितीय, अजय तृतीय, 18 से 28 आयु वर्ग में करण सिंह प्रथम, विकास द्वितीय, 28 से 40 आयु वर्ग में तेजपाल व 60 से अधिक आयु वर्ग में दयानंद यादव प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि खंड नांगल चौधरी व निजामपुर के लिए राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल चौधरी में आयोजित 10 से 14 आयु वर्ग महिला योगासन खेल प्रतियोगिता में जिया प्रथम, मासूम द्वितीय व अंशु तृतीय स्थान पर रही। 14 से 18 आयु वर्ग में मनीषा प्रथम, साक्षी बाई द्वितीय व नैंसी तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार पुरुष में 10 से 14 आयु वर्ग में यश प्रथम, सुमित द्वितीय व देवराज तृतीय स्थान पर रहे।

14 से 18 आयु वर्ग में युवराज प्रथम, 18 से 28 आयु वर्ग में अजय प्रथम व ऋषभ द्वितीय गई स्थान पर रहे। खंड अटेली के लिए मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल अटेली में आयोजित 10 से 14 आयु वर्ग महिला योगासन खेल प्रतियोगिता में लक्ष्या प्रथम, अनु द्वितीय व हिमांशी तृतीय स्थान पर रही। 14 से 18 आयु वर्ग में प्रिया प्रथम, सिमरन द्वितीय व जतिन बाई तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार पुरुष में 14 से 18 आयु वर्ग में मानव प्रथम, कुणाल द्वितीय व जन्नत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 40 से 60 आयु वर्ग में अनिल कुमार प्रथम व दीपक कुमार द्वितीय स्थान पर रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

सही समय जानने की यात्रा

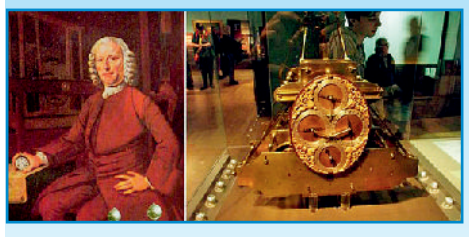

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

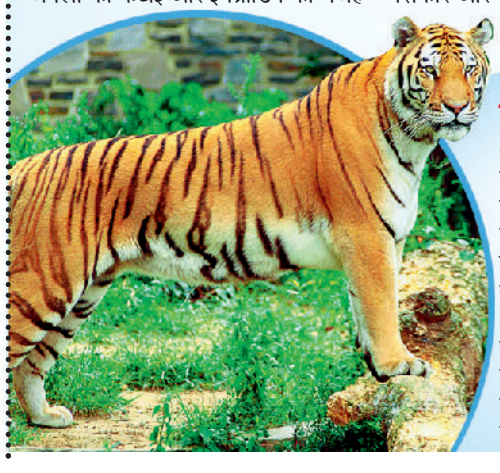

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।